हिन्दी में रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.सी.डब्लू.एच.)

Post Graduate Diploma in Creative Writing in Hindi (PGDCWH)

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No.	Course Code	Title of the Course / पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits
One Year Course	508	PGDCWH-01	सृजनात्मक लेखन के सिद्धान्त	8
	509	PGDCWH-02	फीचर लेखन	8
	510 or 511	PGDCWH-03 or PGDCWH-04	लघु कहानी लेखन अथवा मीडिया के लिए लेखनः रेडियो और टेलीविजन	8 or 8
	512 or 513	PGDCWH-05 or PGDCWH-06	कविता लेखन अथवा विभिन्न सामाजिक वर्ग और लेखन	8 or 8
	25025	PGDCWH-07	समाचार–संकलन, लेखन एवं सम्पादन	8
Total Credit				**40**

हिन्दी में रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Post Graduate Diploma in Creative Writing in Hindi

PGDCWH - 01
सृजनात्मक लेखन के सिद्धान्त

प्रथम खण्ड **लेखन के सामान्य सिद्धान्त**

इकाई –01 **सृजनात्मक लेखन :** अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व

इकाई –02 **रचना प्रक्रिया**

रचना प्रक्रिया से तात्पर्य, रचना प्रक्रिया के विभिन्न सिद्धान्त, (दैवी प्रेरणा का सिद्धान्त, अनुकरण का सिद्धान्त, स्वच्छन्दतावादी सिद्धान्त, कलावादी सिद्धान्त, मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त, यथार्थवादी सिद्धान्त), रचना प्रक्रिया के सम्बन्ध में मुक्तिबोध के विचार, रचनाकार का आत्मसंघर्ष ।

इकाई –03 **केन्द्रीय संवेदना का विस्तार**

संवेदन की पहचान (संवेदना की पहचान और विस्तार, सफलता के मानदण्ड), संवेदना और भाषिक संरचनाएं (शब्दमूलक और अर्थमूलक), चमत्कार एवं संवेदना, विस्तार, संकोच और सपाटकयानी।

इकाई –04 लेखकीय व्यक्तित्व एवं रचना

द्वितीय खण्ड **अभिव्यक्ति नियमन**

इकाई –05 रचना का उद्देश्य

इकाई –06 उद्देश्य की सृजनात्मक परिणति

इकाई –07 विश्वसनीयता, प्रामाणिकता एवं स्पष्टता

तृतीय खण्ड **लेखन की अन्तर्वस्तु**

इकाई –08 विषयवस्तु का निर्धारण

इकाई –09 **लेखन का आरम्भ**

रचनात्मक महत्व, रचना का आरभ्म, (व्यवस्थित आरम्भ, असंगत आरम्भ, संवेदना का संकेत, उत्सुकता) रचना की पकड़ (बीज अभिप्राय, संकेत), विभिन्न विधाओं में आरम्भ (कविता, कहानी, नाटक), आरम्भ का स्वर।

इकाई –10 **रचना का विकास**

रचना के विकास का तात्पर्य, रचना का विकास : विभिन्न विधाओं के सन्दर्भ में (कथानक/कथा साहित्य और नाटक के सन्दर्भ में, संवाद/कथा साहित्य और नाटक के सन्दर्भ में, निबन्ध कविता), रूप और अन्तर्वस्तु, विषय और अन्तर्वस्तु, रचना का विकास और रचनादृष्टि, रचना के विकास की पद्धतियॉ।

इकाई –11 **रचना की समाप्ति**

रचना की समाप्ति का महत्व, व्यवस्था और अंत का बोध, आरम्भ से अंत का सम्बन्ध, अंत के अनेक रूप, रचना के विकास से अन्त का सम्बन्ध, रचना दृष्टि और अन्त।

चतुर्थ खण्ड **विधाओं का परिचय**

इकाई –12 **कथा साहित्य**

उपन्यास (तत्व), लघु उपन्यास या उपन्यासिका, कहानी, लघुकथा, कथाकार के गुण।

इकाई –13 **नाट्य साहित्य**

नाटक : अर्थ और अभिप्राय, नाटक के तत्व, नाटक और रंगमंच, लघु नाटक और एंकांकी , नुक्कड़ नाटक।

इकाई –14 **निबन्ध तथा अन्य विधाएँ**

गद्य की विविध विधाओं की सामान्य विशेषताएं, निबन्ध (परिभाषाएं, मूलतत्व, भाषा, विविध रूप) यात्रावृत्त, साक्षात्कार, रिपोर्ताज (अभिप्राय, मूलतत्व, उपयोगिता)

इकाई –15 जीवनी तथा अन्य विधाएँ (अभिप्राय, मूल तत्व, उपयोगिता), जीवनी रेखाचित्र आत्मकथा, डायरी, संस्मरण।

इकाई –16 **प्रबन्ध काव्य**

अर्थ और स्वरूप, महाकाव्य : पारंपरिक अवधारणा और आधुनिक स्वरूप, खण्डकाव्य : परिभाषा और तत्व, लंबी कविताः सृजन प्रक्रिया और स्वरूप ।

इकाई –17 **मुक्तक काव्य**

मुक्तक काव्य : व्यापक अर्थ और स्वभाव, पारंपरिक अर्थ और आधुनिक स्वरूप।
कविता – पारम्परिक स्वरूप और आधुनिक अवधारणा, कविता का क्षेत्र, कविता की वर्तमान परिभाषा और स्वरूप, नई कविताः नया विधान।
प्रगीत – अवधारणा और रूप, नयी मानसिकता और रूप।

पंचम खण्ड **रूप निर्धारण**

इकाई –18 **सही रूप की खोज,**

साहित्य के सही रूप की खोज, रचना प्रक्रिया, रूप क्या है? रूप और सौन्दर्य, रूप और वस्तु, का द्वंद्वात्मक सम्बन्ध, रूप और रूपवाद।

इकाई –19 **भाषा शैली**

तात्पर्य रचनात्मक पद्य (कविता) की भाषा शैली (शब्द, बिम्ब, प्रतीक) रचनात्मक गद्य की भाषा शैली (उपन्यास, नाटक, कहानी) : शैली और नया रचनाकार ।

इकाई –20 **भाषा और शब्द विचार**

भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न प्रकार (मानक, भाषा, बोलचाल की भाषा, सर्जनात्मक भाषा), भाषा और रचना (समय विचार और लेखकीय व्यक्तित्व), भाषिक सृजन का अर्थ, तथा शब्द, शब्द : अर्थ, स्रोत संरचना, रचना प्रकृति और लक्ष्य के अनुरूप शब्द प्रयोग, शब्द विन्यास।

PGDCWH – 02

फीचर लेखन

प्रथम खण्ड फीचर लेखन के आधारभूत नियम

इकाई –01 फीचर लेखन : परिचय , अर्थ एवं महत्व

फीचर के विभिन्न पक्ष (प्रेरक तत्व, परिवेश, आधार सामग्री, लेखकीय दृष्टिकोण, भाषा और शैली) फीचर की विशेषताएं, फीचर के प्रकार, फीचर लेखक के गुण।

इकाई –02 फीचर लेखन की विशिष्टताएँ

फीचर लेखन प्रक्रिया (विषय या घटना से परिचय, अनुभूति यात्रा, चिन्तन मनन का वैशिष्ट, अपेक्षित, शोध, यात्रा एवं साक्षात्कार, तथ्य एवं फोटो संग्रह, विषय व्यवस्था एवं प्रस्तुति) फीचर लेखन के नियम, फीचर लेखन के लाभ, फीचर एवं अन्य विधाएँ।

इकाई –03 विषय का चयन, सामग्री निर्धारण एवं प्रस्तुति –

फीचर के विभिन्न अंग (अंतर्वस्तु, संरचना, भाषा एवं शैली) सामग्री संकलन के स्रोत, सामग्री का संपादन एवं संयोजन (ध्यातव्य बातें)।

द्वितीय खण्ड फीचर लेखन के क्षेत्र

इकाई –04 सामाजिक विषयों पर फीचर लेखन

सामाजिक फीचर का अर्थ, प्रकार, विषय का चयन, सामग्री–संकलन, सामग्री का संपादन और संयोजन, फीचर लेखन की प्रस्तुति (आरंभ, मध्य, अंत और शीर्षक, भाषा शैली)

इकाई –05 सांस्कृतिक विषयों में फीचर लेखन (पूर्ववत्)

इकाई –06 आर्थिक विषयों में फीचर लेखन – (पूर्ववत्)

इकाई –07 पर्यावरण विषय पर फीचर लेखन – (तथैव)

इकाई –08 विज्ञान विषय में फीचर लेखन – (तथैव)

इकाई –09 खेलकूद में फीचर लेखन – (पूर्ववत्)

तृतीय खण्ड रिपोर्ताज और यात्रा लेखन

इकाई –10 रिपोर्ताज : अर्थ स्वरूप एवं महत्व

रचनागत विशिष्टता (अन्तर्वस्तु, भाषा शैली, प्रतिपाद्य), रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप (कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, फीचर रिपोर्ट) रिपोर्ताज का महत्व एवं उपयोगिता।

इकाई –11 रिपोर्ताज : लेखन एवं प्रस्तुति

रिपार्ताज लेखन की तैयारी (यात्रा से पूर्व की तैयारी, संबंधित घटना, स्थल की यात्रा, साक्षात्कार, तथ्यों की जॉच), सांमग्री का संयोजन और सम्पादन, रिपोर्ताज, का लेखन (समस्या का निर्धारण प्रासंगिकता पर विचार, पाठक वर्ग पर विचार, प्रस्तुति का ढंग), रिपोर्ताज की प्रस्तुति (आरम्भ, मध्य, अन्त, शीर्षक), रिपोर्ताज की भाषा शैली।

इकाई –12 यात्रा लेखन का महत्व और उसके विविध प्रकार

यात्रा लेखन का उद्देश्य और महत्व, यात्रा लेखन के विविध प्रकार (व्यवसायोन्मुख सूचनापरक, विशिष्ट, साहित्यिक), यात्रा लेखन की विभिन्न शैलियॉ (वर्णनात्मक, संस्मरणात्मक, डायरी शैली)

इकाई –13 यात्रा लेखन : विषय का चयन और प्रस्तुति

यात्रा लेखक की योग्यता, यात्रा स्थल का चयन (रूचि एवं विशेषज्ञता, यात्रा की प्रासंगिकता और महत्व) सामग्री का संकलन (यात्रा पूर्व अध्ययन , यात्रा की तैयारी, तथ्यों का संकलन, अन्य सामग्री), सामग्री का संयोजन एवं संपादन, यात्रा लेखन की प्रस्तुति (आरम्भ, मध्य, अंत एवं शीर्षक), भाषा, एवं शैली।

चतुर्थ खण्ड पुस्तक समीक्षा एवं साक्षात्कार

इकाई –14 समीक्षा की विशेषताएं एवं समीक्षक

पुस्तक समीक्षा का अभिप्राय, महत्व, पुस्तक समीक्षा के विभिन्न पक्ष, अच्छे समीक्षक के गुण, पुस्तक समीक्षा की विशेषताएं।

इकाई –15 पुस्तक समीक्षा : लेखन एवं प्रस्तुति

पुस्तक समीक्षा के प्रकार (परिचयात्मक, विश्लेषणात्मक, मूल्यांकनपरक), लेखन की तैयारी (पुस्तक का अध्ययन, तथ्यों की जॉच, अन्य पुस्तकों का अध्ययन, पुस्तकें की प्रासंगिकता), पुस्तक समीक्षा का लेखन (पुस्तक एवं लेखक का परिचय, केन्द्रीय भाव को उजागर करना, विषय वस्तु का मूल्याकन, भाषा शैली का मूल्यांकन, प्रकाशन स्तर एवं मूल्य), पुस्तक समीक्षा की प्रस्तुति।

इकाई –16 साक्षात्कार की तैयारी

साक्षात्कार का महत्व, प्रकार (व्यक्ति आधारित, विषय आधारित), साक्षात्कार की तैयारी (व्यक्ति का निर्धारण, पूर्वानुमति, आवश्यक अध्ययन)। प्रश्नावली का निर्माण (साक्षात्कार लेना, साक्षात्कार की रिकार्डिग स्मरण शक्ति, नोट लेना, टेप रिकार्डर का प्रयोग)।

इकाई –17 साक्षात्कार : सामग्री का संपादन और संयोजन

साक्षात्कार की सहायक सामग्री, साक्षात्कार को अंतिम रूप देना, संशोधन एवं पुनर्लेखन, साक्षात्कार का संरचनात्मक रूप (विभिन्न रूप, लेख के रूप में, प्रश्नोत्तर रूप में शीर्षक देना), साक्षात्कार का प्रकाशन।

इकाई –18 व्यक्ति चित्र

अभिप्रायः उद्देश्य, और महत्व, व्यक्ति के चयन का आधार, लेखन की तैयारी (आवश्यक अध्ययन, साक्षात्कार, अन्य सामग्री का चयन), व्यक्ति चित्र के विभिन्न पक्ष (जीवन परिचय, कार्य क्षेत्र, उपलब्धि एवं योगदान, प्रासंगिकता और महत्व), व्यक्ति चित्र का लेखन (आकार, शैली भाषा, शीर्षक)।

PGDCWH – 03

गद्य साहित्य लेखन/लघु कहानी लेखन

प्रथम खण्ड कहानी लेखन के आधारभूत नियम

इकाई –01 कहानी की विषयवस्तु :

विषय की खोज, आधुनिक कहानी के स्रोत (समकालीनता, राजनीतिक प्रश्न, सामाजिक प्रश्न, स्त्री पुरूष अंतर्संबंध), विषयवस्तु का चयन (निजी अनुभव, निजी अनुभव का व्यापकीकरण, उद्देश्य, सस्ती लोकप्रियता), विषयवस्तु का निर्वाह (यथार्थवादी, विचारधारात्मक एवं कलावादी पद्धति), कहानी कैसे लिखें (आरम्भ मध्य, अन्त)।

इकाई –02 कहानी में चरित्र चित्रण –

कहानी में चरित्र चित्रण का महत्व, चरित्रों की पहचान (वर्गगत, विशिष्ट), चरित्र के स्रोत (प्राचीन ऐतिहासिक , राजनीतिक, सामाजिक), चरित्र का निर्माण (चरित्र का सीमित दायरा, प्रासंगिक आयामों के बीच अनुभवों के बीच), चरित्र की विश्वसनीयता, चरित्र का निर्माण (पात्रों का परिचय, नाम, बाह्य व्यक्तित्व, चरित्र का विकास)।

इकाई –03 परिवेश (देश, काल एवं परिस्थिति)

परिवेश का महत्व,, परिवेश और घटना, परिवेश और चरित्र, कहानी में 'देश ' और 'काल' का अर्थ परिवेश और परिस्थिति (समाज की परिस्थिति, व्यक्ति की परिस्थिति), कथानक के निर्माण में परिवेश की भूमिका।

इकाई –04 भाषा और शैली

कहानी में भाषा और शैली का महत्व, कहानी की भाषा, (मनोरंजन– प्रधान, शिक्षाप्रद, प्रचारात्मक, प्रयोगात्मक कहानियों की भाषा), कहानी की शैली (अनुमोदन की शैली) विरोध की शैली, व्यंग्य की शैली), भाषा और शैली का अंतःसंबंध, भाषा शैली, कथ्य और कथन–पद्धति, संवादों की भाषा (पात्रों के अनुकूल संवाद, परिवेश के अनुकूल संवाद, परिस्थिति के अनुकूल संवाद)।

द्वितीय खण्ड कहानी लेखन

इकाई –05 साहित्यिक कहानियॉ

कहानी लिखने का उद्देश्य, कहानी के स्वरूप का निर्धारणः कथानक, पात्र, कथोपकथन, आरम्भ, विकास और चरमसीमा, फार्मूलाबद्ध कहानी, जीवनदृष्टि और भावानुभव, स्वयं मूल्यांकन के आधार।

इकाई –06 रहस्यात्मक एवं जासूसी कहानियॉ

अर्थ एवं प्रकृति, प्रखर कल्पना शीलता और (यथार्थपरक विश्वसनीयता, रहस्यात्मक और जासूसी कहानियों के विकास की पृष्ठभूमि तथा इन कहानियों का बहुआयामी स्वरूप (रोचकता और सृष्टि, लेखन प्रक्रिया के कुछ नियम या युक्तियॉ, कुछ करने और न करने योग्य बातें)।

इकाई –07 **विज्ञान कथाएं**

परिचय, प्रकृति, हिन्दी में विज्ञान कथाओं का अभाव क्यों? विज्ञान कथाएं कैसे लिखी जाती हैं? (रोचक वैज्ञानिक कल्पना, कथानक निर्माण, सहज संप्रेषण, प्रभावोत्पादकता)।

तृतीय खण्ड **नाट्य लेखन के आधारभूत नियम**

इकाई –08 **नाटक की विषयवस्तु**

विषय की तलाश, विषयानुकूल नाट्य रूप, विषयवस्तु के स्रोत (समसामयिक प्रश्न, काल्पनिक कथानक, प्रख्यात कथानक, मिश्र कथानक) विषयवस्तु का चयन (आपका अपना अनुभव, अनुभवों का विस्तार, अंतदृष्टि और उद्देश्य, संभावित दर्शक वर्ग), विषय को कथावस्तु में ढालना (कथ्य की सजीव एवं सक्रिय रूप में प्रस्तुति, दृश्य एवं मूल्य घटनाएं, आधिकारिक एवं प्रासंगिक कथानक, कार्य व्यापार और देशकल के बीच समन्वय) विषय निर्वाह की पद्धतियॉ (यथार्थवादी, कल्पनामूलक, व्यंग्यात्मक, प्रतीकात्मक), कथावस्तु का विकास (आरंभ , विकास, परिणति या अंत), कथावस्तु के रंगमंचीय आयाम (अंक दृश्य विभाग, रंग निर्देश)।

इकाई –09 **नाटक के पात्रों का विकास**

पात्रों का महत्व, पात्र और कथानक, पात्रों का चयन, पात्रों का स्वरूप, चरित्र चित्रण की शिल्प विधि (रंग निर्देश, पात्रों के अपने संवाद, पात्रों के कार्य और व्यवहार, अन्य पात्रों के कथन और मत), चरित्र का निर्माण (पात्रों का परिचय, नाम, बाह्य व्यक्तित्व, चरित्र का विकास)।

इकाई –10 **नाट्य भाषा, शैली और संवाद –**

नाट्य भाषा का स्वरूप, नाट्यभाषा की रंगमंचीय अपेक्षाएं, पात्रानुकूलता, परिवेश के अनुकूल भाषा, शैली (व्यंग्यात्मक, प्रतीकात्मक, हास्य व्यंग्य शैली, तर्क वितर्क शैली, मनोवैज्ञानिक शैली), शैली और विषयवस्तु में तालमेल, नाटक में संवादों की भूमिका, अच्छे संवादों के गुण, संवादों के प्रकार, गीत।

इकाई –11 **नाटक के रंगमचीय आयाम – रंगमंच किसे कहते हैं?**

नाटक और रंगमंच का अन्योन्याश्रित संबंध, अभिनेयता अर्थ मंचनीयता , अभिनय का अर्थ, प्रकार : रंग निर्देश (प्रकार) इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए नाट्य लेखन (रेडियो नाटक, टेलीविजन के लिए नाटक)।

चतुर्थ खण्ड **गद्य साहित्य लेखन : कहानी नाटक और निबंध**

इकाई –12 **नाट्य के विविध रूप :**

पूर्णकालिक नाटक, एकांकी, नुक्कड़ नाटक तथा काव्य नाटक

इकाई –13 **बाल नाटक**

पंचम खण्ड **निबन्ध लेखन के आधारभूत नियम**

इकाई –14 निबन्ध की विषयवस्तु

विषयवस्तु का निर्धारण, प्रस्तुति वैचारिक निबन्ध, भावात्मक, ललित और व्यंग्यात्मक निबन्ध।

इकाई –15 निबन्ध : भाषा शैली

वर्णनात्मक शैली विश्लेषणात्मक या विवेचनपरक शैली, ललित शैली, व्यंग्य शैली, निबन्ध की भाषा।

इकाई –16 **निबन्ध :**

लेखकीय व्यक्तित्व का प्रभाव (व्यक्तित्व और वृद्धि)

षष्ठ खण्ड **निबन्ध : विविध विधाएं**

इकाई –17 **ललित निबन्ध**

पहचान और विशेषताएं, तत्व, ललित निबन्ध की अपेक्षा एवं उदभूत, ललित निबन्ध कैसे लिखें, साहित्य के अन्य रूपों से भिन्नता।

इकाई –18 **रेखाचित्र एवं संस्मरण**

परिभाषा तथा अर्थ, पहचान, संस्मरण और रेखाचित्र में परस्पर संबंध, संस्मरण और रेखाचित्र कैसे लिखें।

इकाई –19 **व्यंग्य निबन्ध**

स्वरूप, व्यंग्य का प्रेरक आधार, वैचारिक आधार की आवश्यकता, व्यंग्य लेखक का प्रयोजन, व्यंग्य के सृजन की परिस्थितियॉ और कारण, व्यंग्य निबन्ध के प्रकार, व्यंग्य निबन्ध कैसे लिखें।

इकाई –20 **वैचारिक निबन्ध**

स्वरूप, विचार तत्व की प्रधानता, विचार और अनुभूति का परस्पर संबंध, वैचारिक निबन्धों की विशेषताएं, वैचारिक निबन्धों के विविध रूप, वैचारिक निबन्ध कैसे लिखें।

PGDCWH – 04

मीडिया के लिए लेखन : रेडियो और टेलीविजन

प्रथम खण्ड संचार माध्यमों के लिए लेखन के आधारभूत नियम

इकाई –01 इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए विशिष्टता :

संचार की प्रक्रिया और उसका संक्षिप्त इतिहास, इलेक्ट्रानिक माध्यमों का परंपरागत संचार माध्यमों पर प्रभाव, आधुनिक समाज में संचार माध्यमों की भूमिका, इलेक्ट्रानिक माध्यमों के गुण दोषों का विवेचन, विकासशील समाज के सन्दर्भ में इलेक्ट्रानिक माध्यमों का महत्व और खतरे, इलेक्ट्रानिक माध्यमों का विश्व स्तर पर जाल ।

इकाई –02 रेडियो की विशेषताएं, क्षमताएं –

रेडियो और जनसंचार, रेडियो : एक श्रव्य माध्यम (श्रोता की कल्पना शक्ति का उपयोग, वर्तमान का बोध, लचीलापन, तत्परता), राष्ट्रीय विकास में रेडियो की भूमिका, रेडियो : एक दृश्यहीन माध्यम।

इकाई –03 रेडियो के परिप्रेक्ष्य में रचना प्रक्रिया

रेडियो लेखन से अपेक्षाएं, रेडियो लेखन के उपकरण (शब्द, ध्वनि, प्रभाव, संगीत), रेडियो लेखन (भाषा, आकर्षक आरंभ, विषय सामग्री में नयापन, संक्षिप्तता)।

द्वितीय खण्ड फीचर और समाचार लेखन

इकाई –04 रेडियो पत्रिका, वृत्तचित्र और फीचर

डाक्यूमंन्ट्र और रेडियो रूपक, रेडियो पत्रिका, (रेडियों पत्रिका की आवश्यकता, विज्ञान पत्रिका, राष्ट्रीय खेल पत्रिका, साहित्यिक पत्रिका, रेडियो पत्रिका के आवश्यक तत्व), व्यक्ति चित्र।

इकाई –05 वार्ता, साक्षात्कार और बातचीत

रेडियो वार्ता (परिभाषा एवं स्वखा लेख और वार्ता में अंतर, वार्ता आलेख के आवश्यक तत्व, वार्ता के प्रकार, भाषा शैली), वार्ता लेखन की प्रक्रिया, साक्षात्कार (आवश्यक तत्व, प्रकार, तैयारी, प्रश्नावली का निर्माण, साक्षात्कार लेना), बात चीत।

इकाई –06 समाचार लेखन

समाचार की विशेषताएं, रेडियो, टी. वी. और प्रेस समाचार में अन्तर, रेडियो समाचार : वर्गीकरण, समाचार विश्लेषण/ संयोजन, समाचार श्रोत, रेडियो समाचार लेखन, संपादन (समाचारों का चयन, सुर्खियों का चुनाव, भाषा का सम्पादन), आचार संहिता तकनीक।

तृतीय खण्ड स्क्रिप्ट लेखन

इकाई –07 रेडियो स्क्रिप्ट लेखन के विभिन्न तत्व एवं पद्धतियॉ

इकाई –08 रेडियो नाटक

स्वरूप, रेडियो नाटक के संवाद (भाषा की विशेषता, विविध दृश्य, ध्वनि प्रभाव, स्थन और समय या काल की निरन्तरता, क्या नहीं करना है) रेडियो नाटकों के प्रकार।

इकाई –09 रेडियो रूपक एवं धारावहिक

स्वरूप, विशेषताएं, संरचना या बनावट लिखने का तरीका।

इकाई –10 रेडियो विज्ञापन

रेडियो विज्ञापन एवं अन्य माध्यम , रेडियो विज्ञापन और समय, विज्ञापन लेखन – पूर्व तैयारी, प्रस्तुतीकरण (सामान्य वाचन, नाटयीकृत, जिगल्स), रेडियो विज्ञापन : ध्यान देने योग्य बातें, आचार संहिता)।

चतुर्थ खण्ड विभिन्न श्रोता समुदाय

इकाई –11 बच्चों एवं किशारों के लिए रेडियो लेखन

प्रयोजन और प्रासंगिकता, श्रोता वर्ग की पहचान, उपयुक्त विषय का चुनाव, बाल कार्यक्रमों के लिए लेखन और प्रस्तुति (बाल कविताएं और कहानियॉ, बातचीत, वार्ताएं और भेटवार्ताएं, रूपक और यात्रावृत्तान्त, चुटकुले, प्रश्नोत्तरी और अन्त्याक्षरी), बाल कार्यक्रमों की भाषा।

इकाई –12 महिलाओं के लिए रेडियो लेखन

महिला कार्यक्रमों का महत्व, महिला कार्यक्रमों का प्रसारण–समय, प्रकृति और स्वरूपः महिला कार्यक्रमों के प्रासंगिक विषय, कार्यक्रम प्रस्तुति की प्रमुख विधाएं।

इकाई –13 ग्रामीणों के लिए रेडियो लेखन

आवश्यकता और महत्व ग्रामीणों की चेतना, परिस्थिति और आवश्यकता की सही जानकारी, ग्रामीण कार्यक्रमों के लिए सही विषयों का निर्धारण, कार्यक्रमों के लिए सामग्री जुटाना, ग्रामीण कार्यक्रमों की विशिष्टताएं (अशिक्षा का ध्यान रखना, विशिष्ट संस्कृतिक पृष्ठभूमि, ग्रामीण कार्यक्रमों की भाषा, प्रस्तुतीकरण अच्छे ग्रामीण कार्यक्रमों की विशेषताएं।

इकाई –14 विज्ञान विषयक रेडियो लेखन

विज्ञान और संचार माध्यम, श्रोता वर्ग की पहचान, उपयुक्त विषय, तैयारी, विज्ञान लेखन : विविध विधाएं, विज्ञान आलेखः तकनीकी पक्ष।

इकाई –15 ऑखों देखा हाल (कमेन्ट्री)

तात्पर्य, विशेषताएं, पूर्व तैयारी, कमेन्ट्री संबंधी आवश्यक बातें, विभिन्न प्रकार की कमेन्ट्री।

पंचम खण्ड रेडियो और शिक्षा

इकाई –16 स्कूल के लिए प्रसारण

प्रयोजन, श्रोता वर्ग की पहचान, उपयुक्त विषय, तैयारी, लेखन की विधाए।

इकाई –17 गैर परम्परागत शिक्षा में रेडियो की भूमिका

गैर परंपरागत शिक्षा क्यों और कैसे, परंपरागत और गैर परंपरागत शिक्षा में अंतर, गैर परंपरागत शिक्षा में रेडियो की भूमिका, रेडियो लेखन के विभिन्न रूप, रेडियो कार्यक्रमों में गैर परंपरागत शिक्षा के लिए विषय वस्तु ।

इकाई –18 मुक्त शिक्षा प्रणाली में रेडियो की भूमिका

मुक्त शिक्षा प्रणाली और संचार माध्यम (रेडियो), रेडियो द्वारा शिक्षा देने का स्वरूप (वार्ता, परिचर्चा, फीचर, साक्षात्कार), आडियो पाठ की तैयारी और प्रस्तुतीकरण।

PGDCWH – 05

कविता लेखन

प्रथम खण्ड कविता की रचना प्रक्रिया

इकाई –01 कविता की रचना प्रक्रिया :

कविता और काव्यभाषा, कविता की रचना प्रक्रिया, कविता की रचना की तैयारी, कविता की पूर्णता ।

इकाई –02 काव्य की अन्तर्वस्तु

सामान्य चर्चा, रचना– प्रक्रिया का संदर्भ, अंतरवस्तु के चयन का आधार, प्रस्तुतीकरण के तरीके।

इकाई –03 काव्य की संरचना

भाषिक इकाइयों की विशिष्ट संरचना, भाषिक प्रकार्यों की संघटना, अग्रप्रस्तुत भाषिक संरचना, काव्य संरचना में रूपान्तरमूलकता, रचना प्रक्रिया और वाचन प्रक्रिया।

इकाई –04 काव्य भाषा

बोलचाल की भाषा, गद्य भाषा तथा काव्य भाषा, काव्य भाषा की विशेषताएं, (शब्द, शब्द और अर्थ, संरचना, बिब विधा, आतंकारिक रूप, लय), काव्य को प्रभावित करने वाले कारक (युग, परिवेश समाज और शिक्षा दीक्षा)।

द्वितीय खण्ड काव्य संरचना के विभिन्न तत्व

इकाई –05 छन्द

अर्थ एवं स्वरूप, विभिन्न रूप, छन्द के तत्व, नयी कविता और छन्द।

इकाई –06 अलंकार

अर्थ एवं स्वरूप, वर्गीकरण, अलंकारशास्त्र और अलंकार सम्प्रदाय, अलंकारों का काव्य में प्रयोंग।

इकाई –07 बिम्ब प्रतीक और मिथक

स्वरूप, रचना प्रक्रिया और भाष।

इकाई –08 लय और गेयता

कविता की रचना, प्रक्रिया में लय की भूमिका, (पारंपरिक स्वरूप, समकालीन स्वरूप), कविता में गेयता का तत्व (संगीतात्मक और गेयता, गेयता और कविता की उपविधाएं), कविता में लय और गेयता का बदलता हुआ रूप, काव्यात्मकता और गद्यात्मकता व अन्तर।

तृतीय खण्ड काव्य के विभिन्न रूप

इकाई –09 गीत

गीत और गीति : परिभाषा और स्वरूप, हिन्दी गीत के विविध रूप (प्राचीन गीत, आधुनिक गीत, वैयकितक गीत, राष्ट्रीय गीत, नवगीत, अगीत, प्रचारगीत, लोक, शैली के गीत, गजल गीत), गीत रचना के सोपानः रचना प्रक्रिया,गीत काशिक (बिंब प्रतीक और मिथक)।

इकाई –10 मुक्तक

परिभाषा एवं स्वरूप, (महत्व, परम्परा), मुक्त रचना के प्रेरक बिन्दु, विभिन्न सामाजिक और वैयक्तिक अनुभवों के जीवित क्षणों का विभाजन, कुक्तक काव्य और शिल्प, मुक्तक के भेद और अंतर्निहित प्रयोग की स्वाधीनता।

इकाई –11 लम्बी कविताएं

अवधारणा, प्रेरक तत्व, विषयगत वैशिष्ठय (वैयक्तिक, सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक पौराणिक), शिल्पगत वैशिष्ट्य (नाटकीयता, औपन्यासिकता, चरित्र विधान, अतिकल्पना (फैन्टेन का प्रयोग), लम्बी कविताओं के लेखन की तैयारी।

चतुर्थ खण्ड काव्य के विषयगत भेद

इकाई –12 आत्मपरक कविताएं

अवधारणा (आधुनिक युग से पहले आत्मपरक कविता, आधुनिक बोध और आत्मपकर कविताएं , आत्मपरक कविताओं के विषय), आत्मपरक कविता के प्रेरक तत्व, रचना प्रक्रिया, आत्मानुभव और कविता की बनावट, भाषा, शिल्प।

इकाई –13 वस्तुपरक कविताएं

वस्तुपरकता क्या है? कविता में वस्तु परकता, वस्तुपकर कविताएं (प्राचीन, आधुनिक युगीन, वस्तुपरक के प्रेरक तत्व), सामाजिक यथार्थ और वस्तुपरकता, वस्तुपकर कविता की रचना प्रक्रिया।

इकाई –14 प्रकृतिपरक कविताएं

प्रकृति क्या है? हिन्दी काव्य परम्परा में प्रवृत्ति, आधुनिक हिन्दी काव्य में प्रकृति (छायावाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और प्रगतिशील कविता में प्रकृति चित्रण) प्रकृतिपरक कविता लिखने की तैयारी।

PGDCWH – 06

विभिन्न सामाजिक वर्ग और लेखन

प्रथम खण्ड **बाल साहित्य**

इकाई –01 **बाल साहित्य : दिशा और दृष्टि**

बाल साहित्य का महत्व, स्वरूप, बाल साहित्य के विविध रूप, बाल साहित्य का वयोवर्गानुसार वर्गीकरण ।

इकाई –02 **बालकों के लिए कहानियॉ**

बाल कहानियॉ और अन्य कहानियॉ, आयुवर्ग के अनुसार बाल कहानियां, लेखक के जानने योग्य बातें, बाल कहानियों के प्रमुख भेद, बाल कहानी कैसे लिखें, बाल कहानियों में चित्र।

इकाई –03 **चित्र कथाएं**

आरम्भ में विकास, विभिन्न आयु वर्ग की विशेषताएं, चित्रकथा के आवश्यक तत्व, अच्छी चित्रकथा की विशेषताएं, अच्छी चित्रकथा में क्या न हो ?

इकाई –04 **बाल कविताएं**

बाल कविताएं और अन्य कविताएं : मूलभूत अन्तर, बालक, कविता तथा कवि (बालक के लिए कविता : अपरिहार्य आवश्यकता, बालक का कविता से प्रथम परिचय, परंपरागत बाल कविताएं और उसका भंडार), बालक की आवश्यकताओं के अनुरूप कविताएं, उपयुक्त कविताओं की कसौटी, बाल कविताओं के विविध रूप और उनका शिल्पविधान, बाल कविता की भाषा और शैली, बाल कविता लिखने वालों के लिए अन्य आवश्यक सूचनाएं।

द्वितीय खण्ड **किशोर साहित्य**

इकाई –05 किशोरों की समस्याएं और आवश्यकताएं

इकाई –06 **किशोर साहित्यः दिशा और दृष्टि**

किशोर साहित्य का महत्व, स्वरूप, किशोर साहित्य के विविध रूप, किशोर साहित्य की विशेषताएं।

इकाई –07 **किशोरों के लिए कथा साहित्य**

किशोरावस्था और कथा साहित्य, किशोरोपयोगी कथा साहित्य का स्वरूप, किशोरों के लिए कहानी व उपन्यास लेखन (विषय चयन, कथानक निर्माण, पात्रों और परिस्थितियों की परिकल्पना, उपन्यास की रूपरेखा, संपादन और नामकरण

इकाई –08 किशोरों के लिए कविताएं

किशोरों के लिए कविताओं और अन्य कविताओं में अंतर, किशोरों के लिए कविताओं का महत्व, किशोरों के लिए कविताओं का स्वरूप, प्रस्तुतीकरण/ लेखन (लेखन का उद्देश्य, विषयवस्तु का चयन, शिल्प और भाषा का चयन)

तृतीय खण्ड महिलाओं के लिए लेखन

इकाई –09 महिला लेखकों की भूमिका

पुरूष लेखकों की भूमिका, महिला लेखकों की भूमिका (मूल्य विघटन और नैतिकता के बिखरते मानदण्ड, स्त्री पुरूषः बदलते संबंध संदर्भ), महिलाओं के अनुभव – विश्व का योगदान, आन्तरिक पीड़ा और मानसिक अन्तर्द्वन्द्व की अभिव्यक्ति, महिला लेखकों की सीमाएं, भाषा और शैली।

इकाई –10 महिलाओं के लिए लेखन : दिशा और दृष्टि

महिला साहित्य का महत्व, स्वरूप, प्रेरणा एवं उद्देश्य, नारी का सामाजिक एवं राष्ट्रीय रूप, महिला साहित्य के विविध रूप।

इकाई –11 महिलाओं के लिए विषय चयन

महिलाओं के संबंध में और महिलाओं के लिए लेखन में अंतर, महिला लेखन का महत्व, महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण, महिला लेखन के विभिन्न क्षेत्र, महिला लेखन के प्रकार, महिला लेखन के लिए आवश्यक योग्यता।

इकाई –12 महिला लेखनः विषय का विकास और प्रस्तुति

विषय का चयन (रूचि एवं विशेषज्ञता, लेखन का उद्देश्य एवं प्रासंगिकता, पाठक वर्ग, प्रकाशन की प्रकृति), सामग्री का संकलन (विषय पर शोध, तथ्यों का संकलन, साक्षात्कार, फोटो तथा अन्य सामग्री, सामग्री का संयोजन , रचना का प्रस्तुति (आरंभ, मध्य व अन्त शीर्षक), भाषा शैली।

चतुर्थ खण्ड ग्रामीणों के लिए साहित्य

इकाई –13 ग्रामीणों की समस्याएं और परिवेश

ग्रामीण समाज (ग्रामीण समाज और शहरी समाज में अंतर, परिवार में भेद, युग के प्रति चेतना) ग्रामीण समाज एवं वर्गभेद, ग्रामीण जनता पर शिक्षा एवं वैज्ञानिक प्रगति का प्रभाव, स्वतंत्रता प्राप्ति एवं ग्रामीण परिवेश, भाषा एवं शैली।

इकाई –14 ग्रामीणों के लिए अनुकूल विषय चयन

ग्रामीणों के लिए साहित्य : अभिप्राय, ग्रामीणों की अपेक्षाएं, मूल्यों का शिक्षण ग्रामीण परिवेश, विभिन्न वर्ग, शिक्षा हेतु उपयोगी साहित्य, ज्ञान विज्ञान की जानकारी हेतु साहित्य, मनोरंजन हेतु साहित्य, पर्यटन साहित्य।

इकाई –15 ग्रामीण साहित्य : संप्रेषणीयता का प्रश्न

ग्रामीण साहित्य का स्वरूप और संप्रेषणीयता, ग्रामीण साहित्य की विषयवस्तु, ग्रामीण लेखन के प्रचलित साहित्य रूप, ग्रामीण लेखन की प्रस्तुति और सम्प्रेषण की समस्या (सही माध्यम के चयन की समस्या, असमान सामाजिक आर्थिक परिस्थितियॉ, संवाद के समान धरातल का अभाव, साहित्य रूपों की संश्लिष्ट प्रकृति, ग्रामीण लेखन की भाषा और रचना शिल्प), ग्रामीण साहित्य के लिए कुछ आवश्यक बातें।

इकाई –16 ग्रामीणों के लेखन के लिए प्रयुक्त भाषा शैली

ग्रामीण जीवन, साहित्य और भाषा शैली, ग्रामीण साहित्य रूप और भाषा, माध्यम की प्रकृति और भाषा का स्वरूप, भाषा शैली की दृष्टि से कुछ विचारणीय बातें।

PGDCWH – 07

समाचार–संकलन, लेखन एवं सम्पादन

खण्ड –1 समाचार संकलन

इकाई–1 समाचार : अर्थ, तत्व एवं स्रोत : समाचार का अर्थ, परिभाषा, तत्व (न्यूनता, सत्यता, सामीप्य, सुरुचिपूर्णता, वैयक्तिकता, संख्या और संशय), प्रकार (तात्कालिक, व्यापी) महत्वपूर्ण समाचार (अपराध, स्थानीय, डाक, रेडियो, टीवी) अपेक्षित और आकस्मिक समाचार, समाचार के स्रोत (समाचार समिति, प्रेस रिलीज, अन्य स्रोत), फालो–अप (अनुवर्तन)।

इकाई–2 रिपोर्टिंग : व्याख्यात्मक, अन्वेषणात्मक एवं अपराध, आमुख (इन्ट्रो), व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग (स्वरूप, विवेचन, परिभाषा, व्याख्यात्मक समाचार की संरचना, विशेषताएं सावधानियां), अन्वेषणात्मक रिपोर्टिंग (लक्ष्य, अनवेषी रिपोर्टर के गुण, अन्वेषी रिपोर्टर तथा कानून, पुलिस और समाज), अपराध रिपोर्टिंग और प्रेस, अपराध समाचार लेखन, अपराध समाचार के स्रोत।

इकाई–3 संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार : संवाददाता की योग्यता और उसके विविध रूप, विशेष संवाददाता, युद्ध संवाददाता, संवाददाता सम्मेलन (तैयारी ओर सावधानी, अनुसूची एवं प्रश्नावली), संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार में अन्तर।

इकाई–4 इलेक्ट्रानिक मीडिया में रिपोर्टिंग : रेडियो रिपोर्टिंग (ध्यान देने योग्य बातें, रेडियो रिपोर्टर के गुण एवं कार्य), टेलीविजन रिपोर्टिंग (रिपोर्टर के गुण, आवश्यक उपकरण, रिपोर्टिंग करते समय सावधानियां), हाट आन–लाइन समाचार, ई–जर्नलिज्म (इलेक्ट्रानिक अखबार, साइबर पत्रकारिता, वेबसाइट)।

इकाई–5 संपादक और संवाददाता : सम्पादक का स्वरूप, अवधारणा, सम्पादकीय विभाग का निर्देशन, परखशक्ति, दबाव, लोकपाल और सम्पादक, उप मुख्य सम्पादक और उप संपादक के गुण; संवाददाता : परिभाषा, महत्व, गुण

खण्ड –2 विशेषीकृत रिपोर्टिंग

इकाई–1 अपराध और न्यायालय रिपोर्टिंग : अपराध की व्याख्या, विविध रूप, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार, वैश्यावृत्ति, दंगे, अपराध रिपोर्टिंग एवं समाचार, न्यायालय : विविध रूप, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, न्यायालय के समाचार एवं स्वरूप, न्यायालय रिपोर्टिंग में सावधानियां।

इकाई–2 संसदीय रिपोर्टिंग, संसद का महत्व और उसकी रूपरेखा, संसदीय रिपोर्टिंग और उसकी सावधानियां, संसदीय कार्यवाही (प्रश्नोत्तर) : प्रश्नकाल, शून्य काल, तारांकित प्रश्न, अल्प सूचना के प्रश्न और तारांकित प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, संसदीय कार्यवाही (विधायी) : विधेयकों पर विचार, कार्य स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, विशेष चर्चा, मत विभाजन, बजट एवं संसदीय समितियां, संसद के अन्य कार्य : संयुक्त अधिवेशन, अनुच्छेद 377 के तहत उठाये जाने वाले मुद्दे, प्रेस दीर्घा, व्यवहार सूत्र, लेखन शैली की विशिष्टता।

इकाई–3 खेल रिपोर्टिंग, इतिहास खेलों और खेल समाचारों के प्रकार; क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, अन्य खेल, खेल समाचारों की रिपोर्टिंग एवं जानकारियां, स्थानीय खेल, खेल समाचारों की भाषा, शब्दावली एवं शीर्षक, विशेषज्ञता की आवश्यकता प्रमुख, राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं एवं कुछ खेल समाचार।

इकाई–4 कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि जगत, कृषि का स्वरूप, कृषि पत्रकारिता का उद्भव विकास, ग्रामीण जीवन और कृषि पत्रकारिता, कृषि सम्बन्धित रिपोर्टिंग; विज्ञान : अवधारणा,

विज्ञान की मात्रा, जीवन में वैज्ञानिक चेतना, विज्ञान पत्रकारिता; प्रौद्योगिकी : स्वरूप, विकास प्रकार जन जीवन को प्रभावित करने वाली प्रौद्योगिकी।

इकाई–5 आर्थिक, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक पत्रकारिता : भारत में आर्थिक, पत्रों की शुरुआत, विकसित और विकासशील देशों में आर्थिक पत्र, आर्थिक समाचारों के प्रकार, भारत में वाणिज्यिक पत्रकारिता; प्रकार उपयोगिता, सावधानी, भविष्य, औद्योगिक पत्रकारिता, प्रतिष्ठित : प्रतिष्ठित पत्रिकाएं, आन्तरिक जनसम्पर्क पत्रिकाएं, वाह्य जनसंपर्क एवं संयुक्त जनसम्पर्क पत्रिकाएं।

खण्ड–3 जनमाध्यमों के लिए लेखन

इकाई–1 समाचार लेखन के मूल तत्व, स्वरूप चयन के आधार : जनाकर्षण, जनरुचि, तथ्यों की पवित्रता, लीड; समाचारों की प्रस्तुति, आमुख, भाषा शैली; शीर्षक लेखन; संरचना, इलेक्ट्रानिक माध्यम में शीर्षक, समाचार कार्यालय की कार्यप्रणाली, बाक्स तथा इनसेट।

इकाई–2 फीचर की परिभाषा, प्रमुख तत्व, फीचर और समाचार, फीचर और निबन्ध, फीचर और कहानी, फीचर के प्रकार : मानव रुचि आधारित, व्यक्तित्व परक, वैज्ञानिक, पर्यटन, ऐतिहासिक व्यंग्यात्मक, चित्रात्मक, सांस्कृतिक एवं त्योहारों पर आधारित, समाचार फीचर, फीचर लेखन की कला, विशेषता, प्रभावोत्पादकता, फीचर लेखन की योग्यताएं, फीचर सामग्री का चयन।

इकाई–3 सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ, सम्पादकीय पृष्ठ की संरचना, संपादकीय/अग्रलेख, सम्पादकीय टिप्पणियां/सामयिक लेख, सम्पादक के नाम पत्र, व्यंग–विनोदात्मक स्तम्भ, सम्पादकीय पृष्ठ का लेखन, सम्पादन, महत्व एवं प्रभाव।

ईकाई–4 स्वतत्र पत्रकारिता और पत्रकारिता लेखन : स्वतंत्र लेखन : क्षेत्र, विधाएं, विशेषताएं उपयोगिता, कठिनाइयां, विशिष्टता, फीचर समितियां, सफल स्वतंत्र लेखन; पत्रिका लेखन; भाषाशैली एवं प्रस्तुति, पत्रिका में फीचर का प्रस्तुतीकरण।

खण्ड –4 रेडियो एवं टीवी के लिए लेखन

इकाई–1 रेडियो समाचार, समाचार सेवा, कक्ष, रेडियो समाचार बुलेटिन के प्रकार : विशेष समाचार कार्यक्रम, विशेषताएं, समाचार प्रस्तुतिकरण : चयन, समाचार का गठन और शीर्षक निर्धारण, शैली, भाषा, संक्षिप्त नामों का प्रयोग, पद और नाम का प्रयोग, रेडियो समाचार का संकलन और सम्पादन, समाचार वाचन, समाचारों का महत्व।

इकाई–2 रेडियो के विविध कार्यक्रम, रेडियो जनसंचार का सशक्त सूचनात्मक, शैक्षणिक, मनारंजक माध्यम, रेडियो के विभिन्न कार्यक्रम : संगीत, विविध भारतीय या विज्ञापन सेवा, वार्ता तथा परिचर्चा, नाटक, रूपक, ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम, महिला, बाल एवं युवा, शिक्षा, खेल और विशेष, कार्यक्रम, समाचार एवं समसामयिक विश्व पर आधारित सेवाएं, विदेश सेवाएं, रेडियो के (प्राथमिक, राष्ट्रीय, विविध भारती, एफ.एम.,विदेश प्रसारण), चैनल, रेडियो के ध्वनि अभिलेखागार।

इकाई–3 टी.वी. चैनल्स : व्यापकता, आरम्भ, दूरदर्शन के चैनल्स, निजी नेटवर्कों के चैनल, कुछ प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, जी नेटवर्क, स्टार समूह, सोनी समूह, टी.वी.टुडे समूह, इनाड समूह, चैनलों की प्रसारण व्यवस्था : सैटेलाइट टीवी, केबल, डी.टी.एच प्रसारण, चैनलों की लोकप्रियता, लाभ : वैविध्य पूर्ण मनोरंजन, विशेषीकृत चैनलों की उपलब्धता, सही वह सत्यापित सूचनाओं की प्राप्ति; चैनलों की हानि पक्ष, नयी प्रसारण नीति और भारतीय प्रसारण व्यवस्था।

ईकाई–4 टेलीविजन प्रोजक्शन, स्टूडियो प्रोडक्शन टीम, टेलीविजन प्रोडक्शन (तैयारी, प्रोजक्शन, सम्पादन) टीम के सदस्य और उनके कार्य, आधारभूत बातें, आडियो, माइक्रो फोन के प्रकार, उत्कृष्ट परिणाम के लिए स्टूडियो सेटअप, स्टूडियो की आन्तरिक प्रकाश व्यवस्था, कमाण्ड

और क्यू, फिल्म : संचार के माध्यम : फिल्म गतिशील विचारों का चित्र संसार, फिल्म संसार को पार कर लेना है।

इकाई–5 फोटो एवं फिल्म, स्वतंत्र एवं समाचार फोटोग्राफी, फोटो पत्रकार, उनकी चुनौतियां, फोटो सम्पादन, संपादक; फिल्म चमत्कारी जनमाध्यम (फीचर फिल्म, वृत्त चित्र, न्यूजरील, अन्य फिल्में), भारत में फिल्में, भारतीय फिल्मों का इतिहास, मुख्यधारा, समानान्तर एवं क्षेत्रीय फिल्में, फिल्म पत्रकारिता : विषय क्षेत्र, विधाएं, फिल्म पत्रकार के लिए अपेक्षित योग्यताएं फिल्म समीक्षा।

खण्ड–5 सम्पादन

इकाई–1 सम्पादन के सिद्धांत, परिभाषा, आवश्यकता, समाचार कक्ष, सम्पादकीय कक्ष का गठन, समाचार चयन एवं निर्धारण, सम्पादन, शीर्षक, मुख्य उपसम्पादक, कापी एडीटर के गुण, कार्य, समाचार कक्ष में संदर्भ सामग्री, सम्पादन के संकेत और उनके चिन्ह।

ईकाई–2 फोटो सम्पादन – नियोजित एवं स्वतंत्र फोटो पत्रकार, फोटो पत्रकारिता : मानवीय एवं तकनीकी दृष्टि, फोटो पत्रकारिता की चुनौतियां : खोजी पत्रकारिता एवं फोटोग्राफी, स्वतंत्र फोटोग्राफी और समाचार, रेखाचित्र और फोटोग्राफ, फोटोफीचर, फोटो सम्पादन प्रक्रिया : फोटो क्रापिंग, कैप्शन, प्रकाशकीय निर्देश, फोटो सम्पादन और कम्प्यूटर, फोटो सम्पादन की विशिष्टता, फोटोग्राफों का प्रेषण, समाचार फोटो एजेन्सी, फोटो लाइब्रेरी।

इकाई–3 इलेक्ट्रानिक सम्पादन : परिचय, उद्देश्य, घटक, प्रकार (आनलाइन तथा आफलाइन सम्पादन, स्ट्रेट कट एडिट, एसेम्बल और इन्सर्ट सम्पादन, ए.बी. रोल नान लीनियर सम्पादन), इलेक्ट्रानिक सम्पादन कला, सम्पादन की समग्र रणनीति ग्रिफिथ का सम्पादन सूत्र।

इकाई–4 मुद्रण एवं पृष्ठ साजसज्जा–मुद्रण तकनीक : कम्पोजिंग टाइपसेटिंग, हाथ द्वारा कम्पोजिंग, मशीन द्वारा कम्पोजिंग (लाइनोटाइप, मोनोटाइप, फोटोटाइप, लेजर टाइप सेटिंग, ब्लाक), आधुनिक मुद्रण, पृष्ठ साज–सज्जा (स्वरूप, प्रथम पृष्ठ का डिजाइन, फोकस प्रधान पृष्ठ निर्माण, सर्क सनुमा पृष्ठ निर्माण, विरोधाभास पृष्ठ निर्माण, संतुलित पृष्ठ निर्माण), साम्प्रतिक पृष्ठ निर्माण (पृष्ठ निर्माण में आधुनिकता, आधुनिक टाइप, चित्रों का प्रयोग।

इकाई–5 अनुवाद और भाषा दक्षता : अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, सिद्धांत, संक्षिप्त इतिहास, महत्व; भाषा दक्षता : सूचना जगत और हिन्दी, विज्ञापन और हिंग्रेजी, जनमाध्यम और हिन्दी, भाषा में विसंगति, वर्तनी की समस्या।